

DPN 6188

Title: त्रिपुरासुरवध नाटक / Tripurāsuravadhanāṭaka

Run. No. 6879

Cat. No.

Micro. No.

Subject

Religion: Hindu / Bauddha

Language: ☒ Skt. / ☒ New. / ☒ Nep. / ☒ Skt.-New. / ☒ Maith.-New. / ☒ New.-Nep. /

Size in cms. 22 × 8.5

Folios 19

Lines (in a page) 7/6 irregular

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: ☒ New. / ☒ Dev. / ☒ Bhuj. / ☒ Ran. /

Illus.:

Material: palmleaf / ☒ paper / thyasaphu /

Condition: ☒ fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon: अथ त्रिपुरासुरवधनाटकं लिखिते ॥ ११ ॥
Attha tripurāsuravadhanāṭakam likhite ॥ ११ ॥ श्लोक ॥

On the margin: Rudra Vi (Rudravijaya)

ॐ कृष्णमणि वर विजय ३ जीजीरनिमास
१ नाखीरणा ॥ केलासगदं मित्रिजोईदहं रंगी कृष्णली सनलाकमूली यमीतुवर्ग मित्रिक
नयनं नमामिदेवी हनयुर्वदेवी ॥ ॥ स्वातन्त्रिभारत ॥ नमामिचलिकाकार्क काकाईदह
धामिनी ॥ वलुकाकैय ४ कार्क ननिकाकैकानकै ॥ ॥ धीनिवाभादयावाशा वासवयतिम ४
५ ४ १ गऊ गऊ समानधी ४ गऊ नं गऊ चलुमा ४ ॥ नम नं ४ ५ नं नं ४ ५ निनाली लनायूरी
गऊ नं वागं नीकूला ॥ दूरादूरगदूरुना ॥ ॥

15

श्रीगणेशाय नमः ॥ १ ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥ नाथीश्वरकाय नमः ॥
 स्वर्गलोकसिद्धिदायनी वृद्धिदायनी ॥ गच्छ ॥ नमामि नगजानाथं तात्रानाथक
 लाधरीनागखण्डसर्वज्ञं त्वगिरुखण्डसुन्दरी ॥ ॥ ॥ स्नानमालातिन ॥ उमादे
 देहधारीनी उठाकलायमोलिनी सुवचनलयावरी नृमुद्युमालाभारिणी विरु
 गिरुषिकर्त्री रुचिनुकलुषमयी विचित्रयुष्मालयाश्च यामितान्दवधवरी ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥ नाथीश्वरकाय नमः ॥
 अथियेयसिद्धिदायनी वृद्धिदायनी मदीयवचनं श्रुयतां ॥ ॥ सि. वृ. ॥ देगल

10

5

अथ श्रीगणेशाय नमः ॥ गच्छ ॥ सर्वकार्यसमर्थयां सिद्धिदातागजाननशर्ङ्गक
 रसुतसमीहं विद्युत्पातसमागमश ॥ सि. वृ. ॥ देगलेश्वरसखभव ॥ ॥
 सि. ॥ देगलेश्वरमदीयवचनं श्रुवधायतां ॥ ग. ॥ अथि. सि. कथयतां ॥ सि.
 ॥ तव यादयदाशुकराकाशधनतल्यत्र सर्वकार्यसुचरुता नाम्नादे
 सिद्धिदायनी ॥ ग. ॥ अथि. सि. सखभव ॥ वृ. ॥ देगलेश्वरमदीयवचनं
 श्रुवधायतां ॥ ग. ॥ अथि. वृ. कथयतां ॥ वृ. ॥ देगलेश्वर
 ॥ ग. ॥ अथि. वृ. सखभव

0

CMS

5

10

15

20

25

15

10

॥ २॥

॥ ॥ म ॥ ॥ दानी गी गी जा शिवरु ला क श्व रं यु ल मा मि ॥ ॥ ॥ त नृ ल म नृ ल म र्का
 शी व क वि कृ शि वा ल क र्क ॥ रु त्री रं वि यु ल मी र्क म स्या लुं यु ल मा म् ॥ न ता दृ शी
 शी शी म स्या लुं नार्थ यु ल मा मि ॥ ॥ म ॥ ग ॥ ॥ अ यि सि व ॥ ध न्य रं ल लित ता यु त्री
 नाम न ग त्री ॥ ॥ सि व ॥ ॥ ह ग र्वा श्व त्र कि म र्थ आ कृ णि त्ति ॥ ॥ ग ॥ ॥ अ यि सि व
 अ र्क क थ या मि ल म व क्ष त्र य ॥ ॥ म ॥ ॥ ग ॥ ॥ सू त्र ना ड य त्री यु त्रि ना न ग त्री
 लालि ता यु ति मा यु ति रा स म र्ता ॥ रु त्र रा स ग ता म न दी ति क र्क म मि म लु य
 री म यु ना गु षु रं ॥ अ यि सि व न ता दृ शी लालि ता यु त्री नाम न ग त्री लै दानी

२

5

हि ॥ ॥ सि व ॥ ॥ ह ग र्वा श्व त्र म ल म त ॥ ॥ सि व ॥ ॥ ह ग र्वा श्व त्र अ स्या न ग र्थि काः
 नाम न ग त्री वि ना ड त ॥ ॥ ग ॥ ॥ अ यि सि व ॥ अ र्क क थ या मि ल म व क्ष त्र य ॥ ॥
 म ॥ ॥ ग ॥ ॥ मा ना ना ड य त्री द वी शी म दी लु स र्क य रं श म गी सि वि नृ मि र्क स्या
 कृ ल दी य वि ना ड त ॥ अ यि सि व न ता दृ शी त्र वि कृ त ति त्र क र्क नु म क्ष ड गी
 शी नृ मि र्क म ल नृ य ति कृ त दी य ना ड य त्री द वी यु न म दा ना ड वि ना ड म र्क
 यु ता यी शी २ म दी लु म ल नृ य ति दानी हि ॥ ॥ सि व ॥ ॥ ह ग र्वा श्व त्र म ल म त ॥
 ह ग र्वा श्व त्र अ सि न लालि ता यु त्री न ग त्री ला क र्क म र्क म र्क ४ अ नृ मी य रं क
 त्र न क थ र्ता ॥ ॥ ग ॥ ॥ अ यि सि व ॥ शी शी म दी लु म ल नृ य ति दानी वि ना ड त्र

0

CMS

5

10

15

20

25

15

अथ वि॥३॥

धनामनाठकं नवीनरुथगिजाहूकमवप्रथकावसागलाकारं महांसुवाकाः
यनं॥ ॥सि०वू॥रुगनंश्चत्रियुवासुत्रवधनामनाठकोनूकमनिकोमयान
सुशयनं कथंनजुचितयाजुथानाहजानवदु॥ ॥म॥अथि०सि०वू०गियुवासुत्र
वधनामनाठकोनूकमनिकोकथयसिलेमवक्षत्रय॥ ॥सि०वू॥रुगनंश्च
त्रजानवदु॥ ॥म॥कात्रन०ध॥म॥युर्वदेद्यतयसुताविधिवत्रालेवृसिस्तनी
युत्री०निर्मागंसुत्रदेहयुद्धममुलेदेहसाइस्यकं॥विशुन्नालिवधध्रुनात्र
कवक्षदाहसिस्तनीयुत्री०कुर्यमुयुत्रदाहनामनाठनस्यानूकमोयंमग॥

३

10

5

अथि०सि०वू०गियुवासुत्रवधनामनाठकोनूकमनिकोदानीदि॥ ॥सि०वू॥रुग३म
लमव॥ ॥म॥अथि०सि०वू०अलमतिविस्रथनमहावाडाधिवडाडी२महीनु
मल्लरुयतिनासरोनूरुदुनार्थगियुवासुत्रवधनामनाठकीकियनंनदु॥
नार्थगिवाव॥ ॥सि०वू॥रुग३अथस्यभवगवाव॥ ॥जवका०ड॥ख०सि०
वू॥रुग३सियुभवगमोर्गा॥ ॥म॥अथि०सि०वू०अथस्यभवगवाव॥ ॥
सि०सि०वू०वी॥ ॥ल०॥ ॥यवमयुवासाविनीयेवृवृ॥म०कुर्य॥ड
दाहगधर्वदर्व॥गभर्ववृमरुधर्वा॥तमामिगिप्रिडाकार्क॥म०कर्वमदभा

0

CMS

5

10

15

20

25

वकु

यिता यजुमात्रतचनजुवक्षनकभा ॥ व ॥ रुजुथर्वमकहा ॥ अ ॥ यसा
वेतानल्लो रगशा उमगीकुन्दुनवरादयतायसो नुदहसा ॥ इथर्विनं दामा
॥ नतादृष्टी अथर्वकठनामजुमी ॥ व ॥ रुजुथर्वउसहा ॥ चतुर्थदसनाः
कत्रवी ॥ म ॥ दयितामदुवक्षो नखनजुमी सानाकत्रजायवापुमात्रयत्रलानम
सात्र ॥ व ॥ रुमृथयुसामाथर्वितसर्वथडाव ॥ म ॥ रुययुसामाथर्वितस
नाकत्रजायवायला ॥ यसा अ ॥ रुमृथर्वितसर्वथचला ॥ डवका ता
ड ॥ यव यसा अ ॥ रुमृथर्वदसिद्युजायवायला ॥ म ॥ रुययुसामाथर्वि
दसर्वथचला ॥ व ॥ रुयिथमाविनीमय विभुमाली गात्रकोद गिरिदेहात्र

रुद्रवि ॥ ५ ॥

५

अमाकज्राधनाकेलातथावत्रदानदियेजायवायला ॥ सा ॥ रुस्वामिदुक्काविड
कभा ॥ म ॥ डवडहासा ॥ खवसा ॥ रुस्वामीयुक्कासिद्युविडकभा ॥ व ॥ रु
यि सा ॥ सर्वथचला ॥ म ॥ ॥ यवडाकुलु सवि डयक अमि डम वनूडा वा
यु क्वेत्र चनुसुयी सातत्री ॥ म ॥ नमामिकमलाकार्क खगेवाडधर्जहनीयी
ताम्वत्रधर्जदव वनमाहितमीध्वत्री ॥ म ॥ ॥ रुयिथगसि युक्कुयक अमिः
डम वनूडा वायुव क्वेत्र चनुसुयी सातत्री अमात्रवचनसुनी ॥ सर्वथादुदव
वाडकुलुआसकभा ॥ ॥ रु ॥ युत्रामकायेगिष्ठीमान् सूत्रवाडामहावत्रहा
गडावाडाधिपूक्षर वासवसमूयागेवशा नतादृष्टीसकत्रदवलाकत्रजुधिय

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

15

10

॥ ॐ ॥

॥ ॐ ॥ हं वृत्र कदा ॥ ॥ कृ ॥ ॥ वृत्राश्रयदात्रीया गङ्गाकाशनाधिय
 ॥ सा हं वृत्रसंघो गङ्गा ॥ ॐ ॥ काशमदल्युत ॥ ॥ नृगाहं धमवृत्रनामजु
 मी ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ य ॥ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया गङ्गाकाशनाधिय
 माकदा ॥ ॥ य ॥ ॥ वृत्राश्रयदात्रीया गङ्गाकाशनाधिय ॥ कलातिथि ॥ सा कानन्दक
 रणीगीमान् ॥ सा हं वृत्रसंघ ॥ ॐ ॥ नृगाहं धमवृत्रनामजुमी ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्र-स
 न्घ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया गङ्गाकाशनाधिय ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया
 दिवा नाथा ॥ वृत्राश्रयदात्रीया गङ्गाकाशनाधिय ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया
 ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया गङ्गाकाशनाधिय ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया

१

5

गङ्गाकाशनाधिय ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया गङ्गाकाशनाधिय ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया
 वृत्राश्रयदात्रीया गङ्गाकाशनाधिय ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया गङ्गाकाशनाधिय ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया
 सात्रथीमात्रातीनामजुमी ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया गङ्गाकाशनाधिय ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया
 ज्ञ-ध-व-क-य-सू-मा-पु-ख-न-सं-रा-क-त्रि-मं-ड-य-वी-य-ला ॥ ॥ सर्व ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया
 लु-वि-ड-क-त्रा ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया गङ्गाकाशनाधिय ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया
 ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया गङ्गाकाशनाधिय ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया
 मो-ति-ध-मि-य-रा-सू-वा-ड-म-हा-वा-ड ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया गङ्गाकाशनाधिय ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया
 रि-वि-ड-क-त्रा ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया गङ्गाकाशनाधिय ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्रसंघ ॥ ॥ ॐ ॥ हं वृत्राश्रयदात्रीया

यद्गर्गं रवी॥ ॥ भ॥ वि॥ रुद्रियं गंगियं ता॥ तात्रका रु॥ चन्द्रमुखी॥ सुवाङ्महावाङ्
 धूमाङ्महावाङ्॥ अमात्रवचनसूना॥ ॥ सर्व॥ रुद्रियं गंगीलीङ्गकथा॥ ॥ वि॥
 रु॥ वि॥ गंगीलीसमायाभा॥ वि॥ रुद्रियं गंगीलीसमायाभा॥ वि॥ रुद्रियं गंगीलीसमायाभा॥
 यत्राक्रम॥ ॥ न॥ रुद्रियं गंगीलीसमायाभा॥ वि॥ रुद्रियं गंगीलीसमायाभा॥ वि॥ रुद्रियं गंगीलीसमायाभा॥
 ३सहा॥ ॥ रु॥ रुद्रियं गंगीलीसमायाभा॥ वि॥ रुद्रियं गंगीलीसमायाभा॥ वि॥ रुद्रियं गंगीलीसमायाभा॥
 कथा॥ ॥ रु॥ रुद्रियं गंगीलीसमायाभा॥ वि॥ रुद्रियं गंगीलीसमायाभा॥ वि॥ रुद्रियं गंगीलीसमायाभा॥
 नास्तीत्यादिगंगीलीसमायाभा॥ न॥ रुद्रियं गंगीलीसमायाभा॥ वि॥ रुद्रियं गंगीलीसमायाभा॥ वि॥ रुद्रियं गंगीलीसमायाभा॥
 अमी॥ ॥ वि॥ रु॥ रुद्रियं गंगीलीसमायाभा॥ वि॥ रुद्रियं गंगीलीसमायाभा॥ वि॥ रुद्रियं गंगीलीसमायाभा॥

[illegible]

[illegible]

३३६६॥२॥

क
मूखादं सकवाकसुसमागतं ॥ नुनादं पुमानभवक सकवाकनामजुमी ॥
॥ ॥ न ॥ दं सकवाकसुसमा ॥ ॥ वि ॥ दं यिथं धाधियुसाजुमीदेहावाकमरादधनिक
विनंजायता ॥ ॥ म ॥ दं सामिति यु ॥ वि ॥ क कवा ॥ पुमनचत्रलनमकाय ॥ ॥ नि ॥ दं ना
वकाकसुसमा ॥ दं लुनाकमयेदधनिकविनंजायतायता ॥ ॥ स ॥ दं ॥ दं वि ॥ वि
क कवा ॥ ॥ ज ॥ दं सामिति ॥ ख ॥ स ॥ दं ॥ दं वि ॥ सलत्रवि ॥ क कवा ॥ ॥ वि ॥ दं ना ॥ सु ॥ स
क ॥ म ॥ स ॥ दं धायता ॥ ॥ म ॥ दं यलुम ॥ न ॥ स ॥ दं सामिति ॥ व ॥ ल ॥ सु ॥ नि ॥ नं ॥ जा ॥ य ॥ ता ॥ य ॥ ता ॥
॥ ॥ ॥ दं ॥ स ॥ दं धायता ॥ ॥ म ॥ ज ॥ व ॥ क ॥ उ ॥ ता ॥ स ॥ य ॥ ॥ दं ॥ म ॥ सि ॥ यु ॥ ज ॥ य ॥ ता ॥ य ॥ ता ॥
॥ म ॥ ॥ दं ॥ स ॥ दं धायता ॥ ॥ ल ॥ ॥ ॥ य ॥ दं ॥ म ॥ य ॥ दे ॥ हा ॥ यु ॥ म ॥ ति ॥ अ ॥ नि ॥ म ॥ सु ॥ ता ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

15

10

॥७॥॥१॥

लामुख॥विशिष्ट॥प्रतापकगतामीर्षं वृक्षादीं वृक्षसंज्ञां देसयानसमावृष्टं लङ्का
हंतवकात्रकं॥ ॥म॥रुयिरयु० अ० क्रा० अमात्रवचनसूना॥ ॥विशिष्ट॥रुदेहावा
डमेयजाडकभा॥ ॥म०॥॥दानवार्त्तामहावी० श्री० श्री० म० व० म० व० न०
सातिवर्तातिहा० म० य० न० म० स० मा० ग० त० ॥ न० ना० द० म० हा० ती० न० दान० व० त्रा० ड० म० य० दे० ल० ना
म० ज० मी॥ ॥विशिष्ट॥रुदेहावा३सहा॥ ॥य०॥रुदेहामी० दे० हा० त्रा० ड० म० य० अ० मा० त्र० व० च
न० अ० व० क्षा० न० क० भा॥ ॥म०॥रुयिरयु० क० हा॥ ॥य००॥॥न० व० रा० द० य० दा० भ० ड० क० त० क०
ह० न० व० व० ल० रा॥ ना० मा० य० य० म० नी० सा० दे० का० मि० नी० जी० लि० ना० म० नि० श० न० ना० द० शी० पु० मा० त्र०
अ० हा० क० र्त्ता० म० यि० रा० त्री० य० म० ती० ना० म० ज० मी॥ ॥म०॥रुय० स० हा॥ ॥अ०॥रुदे

70

5

रात्राडमयअमात्रवचनसूना॥ ॥म०॥रुअ३कहा॥ ॥अ०॥॥आ० ग० ना० मि० मु
ख० वी० गो० त्रि० य० द० की० वि० ना० श० क० ध० म० ग० धि० ना० ड० रु० ला० इ० दे० न० व० म० व० क० ना० य० क० ॥ न०
ना० द० शी० पु० मा० त्र० य० व० म० स० व० क० म० हा० ती० न० अ० मि० मुख० ना० म० ज० मी॥ ॥म०॥रुअ३सहा
॥ ॥का०॥रुदेहा० ना० अ० अ० मा० त्र० व० च० न० सू० ना॥ ॥म०॥रुदेहा० लामुखकहा॥ ॥का०॥॥का०
लामुख० म० हा० ती० गो० वी० गो० धा० द० की० हा० त्र० क० धा० के० क० भा० रा० व० दी० शा० दे० न० व० म० व० क० ना० य० क०
शा० न० ना० द० शी० पु० मा० त्र० स० व० क० ना० ना० य० क० म० हा० ती० न० क० ला० लामुख० ना० म० ज० मी॥ ॥म०॥रुदेहा
लामुख० स० हा॥ ॥म०॥रुयिरयु० अ० क्रा० अ० था० स० हा० के० त्रि० या० धा० कि० या॥ ॥य००॥का०

त्रिगुणः

72

नात्रुदवामाशिनामा श्रीमच्छ्रीमहोदयविक्रमलिलकसागिवायादयासागाया
 लोकाभागागिउदयनऊनी रुसनीसगि यष्टुयगिनासहकुठनी कीर्णकृष्णीसा
 सतावी यत्रमध्वनी यविक्रमलिलक सूर्यवर्धगिलक श्रीमहोदयमल्लनृपः
 वायातत्रकुरु ॥ ॥सर्व॥तथा॥ ॥ना॥दक्षिणायव ऊटि सकलमृषिलोक ग
 गं यमे अमात्रवचनसूता ॥ ॥सर्व॥दनाय आह्लाकभा ॥ ॥ना॥धूम ॥कथयय
 ज्ञातमानगगु ॥ सदाचित्तगीकमलाकलगु ॥ समोगगु ॥ यंकड शांतिगुगु ॥ मनीत्रयो
 दंष्ट्रनेयकसूगु ॥ अर्द्धाक्षिणायव ऊटि सकलमृषिलोक गं यं नताष्टगः सूत्रकः

शुभी ॥ ना ॥ हायमु ३ सहा ॥ ॥ यत्त शहिलु ॥ जूहा नात्र दमनी ध्वन जखन शुभी गयसा
 कत्रिनेकायवा ॥ ॥ ना ॥ जूहाय स सर्वथाकाव ॥ ॥ य ॥ हायमीलु मूनी नन्दनवनवि
 यतयसा कत्रिनेकायवाचला ॥ ॥ य ॥ हायवृत्त २ सर्वथाचला ॥ ॥ ऊवउसा ॥ ॥
 ख य ॥ हायवृत्त ३ तलत्रकायवाचला ॥ ॥ य ॥ हाय स सर्वथाचला ॥ ॥ ना ॥ जूहा
 ग य ॥ जखनयितावकादनि कत्रिनेकायवाचला ॥ ॥ ग य ॥ हाय कूत्रविऊ
 कवा ॥ ॥ ऊव उसा ॥ ख ग य ॥ हाय कूत्रसिधुविऊकवा ॥ ॥ ना ॥ हा ग य
 सर्वथाचला ॥ ॥ ल ॥ ॥ मय विशू गान जू को सु म धु म यवत ॥ ख ॥ म ॥ रु

॥ रुद्रवि ॥ ॥ ॥

वि ना जू को सु म धु म जखनयनम ध्वन सुनऊकव का कसिला म यव कत्रिने
 जूगयसा कत्रिनेकायवाचला ॥ ॥ सर्वथा ॥ रुद्रे हायकायवाचला ॥ ॥ ऊव ॥
 रुद्रे हायकायवाचला ॥ ॥ म ॥ रुद्रे हायकायवाचला ॥ ॥ म ॥ रुद्रे हायकायवाचला ॥
 ॥ ॥ म ॥ रुद्रे हायकायवाचला ॥ ॥ म ॥ रुद्रे हायकायवाचला ॥ ॥ म ॥ रुद्रे हायकायवाचला ॥
 लदानवगल जूगयसा कत्रिनेकायवाचला ॥ ॥ वि ना ॥ रुद्रे हायकायवाचला ॥ ॥
 म ॥ रुद्रे हायकायवाचला ॥ ॥ म ॥ रुद्रे हायकायवाचला ॥ ॥ म ॥ रुद्रे हायकायवाचला ॥
 ३ ऊव उसा ॥ ॥ सकल कूत्रसिधुविऊकवा ॥ ॥ म ॥ रुद्रे हायकायवाचला ॥ ॥
 वि ना ॥ रुद्रे हायकायवाचला ॥ ॥ म ॥ रुद्रे हायकायवाचला ॥ ॥ म ॥ रुद्रे हायकायवाचला ॥

५

०

५

15

10

5

२२५ वि॥ १५॥

समस्त

नदीशिरीषकात्रसमयजलमश्वाक्यं यमाजनिमङ्ककत्रिशायनमध्वनवक्रा
 राधनाकत्रिंता॥ ॥वि॥ता॥रुदेहोत्रा३३३॥ ॥स्वर्गलादाखमइदाडातयसा
 याक॥ ॥म॥रुवि॥ता॥नखनयीषीकालुहिला॥नदीपीषीकालसमशरीयाश्रिमरु
 भक्तिशानयसाकत्रिंता॥ ॥वि॥ता॥रुदेहोत्रा३३३॥ ॥ध्याश्रिमङ्कयादाडा
 तयसायाक॥ ॥म॥रुवि॥ता॥नखनवषीकालसमयदेहो॥नदीवर्षीकालसमयजु
 तिवृष्टिजलधराधत्रियाधुआकासधक्तिशानयसाकत्रिंता॥ ॥वि॥ता॥रुदेहो
 त्रा३३३॥ ॥युमिचुयौत्रयाडा॥सप्तमनसुगिराक॥ ॥ध्या॥नमानमसुगिराक
 ककर्ण॥उगद्विभक्तुनमानमसु॥नमानमसु॥कमलासनाय॥युजायनदतनमान

१५

मसु॥रुयत्रमध्वनसूत्रजसुवक्राधुमात्रयत्रा॥नवितममसुत्रा॥धुमाकत्रिंताकत्रिः
 नयाद॥ ॥म॥वक्राधुयोरुशता॥रुमय॥वि॥ता॥कीतिमिङ्क॥माकत्रिंताकत्रिः
 याधुमाकत्रयसाकैलाधुमात्रयसाधुसावतममीवदसुधुहलाधनो२धुमी॥नख
 नकीतत्रमात्रिलासवत्रमात्र॥ ॥म॥वि॥ता॥रुयत्रमध्वनसूत्रजसुवक्राधुमात्रय
 त्रननमसुत्रावधनो२धुमात्रय॥ ॥व॥म॥वि॥ता॥धुमात्रयतनसुभा॥ ॥वि॥कि
 ॥रुयत्रमध्वनसूत्रजसुवक्राकत्रो॥ ॥व॥ध्या॥तत्रददामिशोदेवा॥सुयसाधुसमान
 सधोरा॥ध्या॥नववैकुण्ठ॥दतानामयिइति॥रुवि॥ता॥धुमीधुयनयसाकत्रियाधु
 मीवदसुधुहलाधननकीतत्रमात्रिलासवत्रमात्र॥ ॥वि॥वि॥शा॥रु॥किया॥नि

0

CMS

5

10

15

20

25

[illegible]

၇၈

सवैरुस्मा. शु. आ. क. ना. न. थ. व. त. र. ध. र. म. य. वि. ना. आ. व. स. व. र. ध. वि. ज. न. ला. रु. न.
 ग. व. न. य. आ. को. श. म. ध. ल. वि. य. नि. म्भ. नि. न. क. रि. या. थ. को. ॥ पु. ने. द्वा. त्र. क. दा. यि. रु. मा. त्र.
 न. क. वै. त्री. न. क. वा. ध. य. दा. त्र. क. रि. या. यि. य. त्र. न. ग. त्र. वि. ना. डी. रु. व. न. ही. सा. व. ध. न. क.
 रि. या. स. र. य. सु. ला. क. रा. कु. श. न. क. रा. न. ही. व. त्र. दा. न. रु. मा. क. दि. या. ॥ ॥ म. वि. ता. ॥
 रु. रु. या. नि. र्ध. व. द्वा. न. क. वै. त्री. त्र. रु. स. न. न. क. वा. ध. न. ज. मा. त्र. यि. य. त्र. न. ग. त्र. स. दा. त्र. क. रि.
 ने. ना. व. त्र. ना. रु. व. ॥ रु. मा. त्र. कि. या. न. क. व. न. वृ. त. क. रि. न. ना. या. त्र. ॥ ध. न. ज. मा. त्र.
 रा. य. ॥ न. व. न. रु. मी. य. डा. क. रि. या. ॥ ॥ व. ॥ रु. म. वि. ना. स. र. य. थ. ॥ ॥ य. डा. रा. दा.
 भा. र. थ. ॥ न. म्भ. नि. न. म. र्ध. ला. दि. य. र्ध. व. ॥ रु. य. त्र. म. र्ध. व. क. या. नि. र्ध. व. द्वा. रु. मा. त्र.

15

10

॥ इति ॥

चरलनमस्कात्र ॥ ॥ व ॥ रुमय वि ना नवनममीवक्र लाकडायवा ॥ ॥ निः
 शि ॥ रुकि योनि धव का विड क प्रो रुमा के चरलनमस्कात्र ॥ ॥ व ॥ सा वि नी
 र ॥ ॥ म ॥ रुस कर दान वगन रुमी नुथा जाय ॥ ॥ सर्व ॥ रु दे ल ना रु मय डः
 जा ॥ ॥ म ॥ रु वि ना भू द्वा सु म कु म नवनमय प्रम ध्व रे व का व क्रिया न
 मे ला क ग क रु मा के या यि ला नवनमि ड म लि न गिया नि य न न ग नि मी न
 क रि न डा य वा य ला ॥ ॥ सर्व ॥ रु दे ल ना रु मय वि ड क म ॥ ॥ व म ॥ ॥
 रु व ड सा ॥ ॥ र व सर्व ॥ रु दे ल ना रु मय सि यु वि ड क म ॥ ॥ म ॥ रु वि ना स
 क र दान वगन सर्व था च ला ॥ ॥ ॥ ॥ यु ग म नि यो गि च रु म री र व व ॥

१०

5

म ॥ रु वि ना स क र दान व सर्व था च ला ॥ ॥ ॥

य व यु ॥ रु ग शि च रु स्वामी व वा ली सु नि न डा य वा य ला ॥ ॥ व च ॥ रु यु ॥ सर्व था
 च ला ॥ ॥ ॥ ॥ रु यु सि यु डा य वा य ला ॥ ॥ यु ॥ रु ग च रु सर्व था च ला ॥ ॥
 म ॥ रु यु ॥ रु ग च रु नु था सो मी व वा ली सु नि यो था कि यी ॥ ॥ ॥ रु यु सर्व था ॥ ॥
 मय री च व रु धु म ॥ ॥ र व म ॥ रु वि ना स क र दान वगन नि ड म लि न गिया नि य न नि मी
 न क रि न डा य वा य ला ॥ ॥ सर्व ॥ रु दे ल ना रु मय वि ड क म ॥ ॥ ॥ रु व सर्व ॥ रु दे
 ल ना रु मय सि यु वि ड क म ॥ ॥ म ॥ रु वि ना स क ल दान व सर्व था च ला ॥ ॥ म ॥
 म ॥ रु वि य यु रु मी की क रि यो था कि यी ॥ ॥ ॥ रु ग च रु रु दे ल ना रु मय रु मा च र
 ल न म स्का त्र ॥ ॥ नु था वि ड क म ॥ ॥ म ॥ रु वि य यु सर्व था ॥ ॥ म ॥ रु स क ल दान वग

0

CMS

5

10

15

20

25

सर्वलु. राजन. लारु. ॥ पूर्वकत्रिया ४

[illegible]

24

मयज्जुआ ॥ ॥ म ॥ हं वि. ना. नदी सुवर्णमयन गत्र विषज्जुमी सुखे वाङ्मय गत्र कत्रिय
 था कियो ॥ ॥ वि. ना. ॥ रुदेलना ३३ ज्जुआ ॥ ॥ म ॥ हं यियये. वि. ना. अ. का. सु. म. कु.
 म. नमने ज्जुमी काम कारु सुदि याद वेवा झुन युजा कत्रिया सा लिक सोव कत्रिया
 ही अयुर्व सुखे वज्जुन. लो रुन गत्र वेथिया सुखे वाङ्मय गत्र कत्रिया था कियो ॥ ॥
 मय ॥ ॥ रुदेलना ३३ ज्जुआ ॥ ॥ यत्रि रुय इकाय ॥ ॥ लु ३ ॥ ॥ यु वं म हा द वः
 या वंती. गी. म. नदी. रु. झी. रं क वं ॥ लिखि ॥ अ. ना. का. य. द. वा. य. चि. दान. न.
 स्व. यि. र. ला. गु. वं. ती. ना. य. शु. द्वा. य. आ. नि. द्वा. य. य. न. न. म. ॥ ॥ म ॥ हं यिय या वंती. गी.
 नदी. रु. रं. अ. मा. त. व. व. न. म. ॥ ॥ मय ॥ ॥ रु. य. त. म. व. व. र. म. हा. द. व. अ. झु. क. वा. ॥ ॥

73

